लखनऊ
सोमवार, 15 अगस्त 2022
वर्षः-6 अंकः-55
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

आन देश की शान देश की, देश की हम संतान हैं,
तीन रंगों से रंगा तिरंगा, अपनी ये पहचान है !

आज़ादी का अमृत महोत्सव

एक दिन, देश की शान तिरंगे के नाम

भव्य तिरंगा यात्रा

दिनांक :- 15 अगस्त

समय :- दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक

यात्रा आरम्भ-
आराध्या लॉन, बनी, कानपुर रोड, लखनऊ

यात्रा की समाप्ति-
सीएमएस कैंपस, कानपुर रोड

तिरंगा यात्रा, तिरंगा गौरव सभा और सांस्कृतिक कार्यक्रम
का संशोधित रूट और सभा स्थल

डॉ.राजेश्वर सिंह विधायक- सरोजनी नगर, लखनऊ

भाईचारा रखें परस्पर, अमन चैन का नारा हो
सद्भावना, शांति रखें दिलों में, जातिए धर्म का न बंटवारा हो
देखूं जब-जब लहराता तिरंगा, गुमान देश पर होता है
लिया जन्म जहां शूरवीरों ने, सिर नतमस्तक हो जाता है

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई।

विनोद मौर्या
प्रधान
आशापुर गाड़ी, तिलोई-अमेठी

भाईचारा रखें परस्पर, अमन चैन का नारा हो
सद्भावना, शांति रखें दिलों में, जातिए धर्म का न बंटवारा हो
देखूं जब-जब लहराता तिरंगा, गुमान देश पर होता है
लिया जन्म जहां शूरवीरों ने, सिर नतमस्तक हो जाता है

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई।

राजू दुबे
प्रधान
कूरा तिलोई, अमेठी

समस्त क्षेत्र वासियों को
रक्षाबंधन
एवं
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

राजा मयंकेश्वर शरण सिंह
राज्य मंत्री उ. प्र. सरकार

कृष्ण कुमार सिंह 'मुन्ना सिंह'

मो० अशरफ
मीडिया प्रभारी, प्रधान संघ

भाईचारा रखें परस्पर, अमन चैन का नारा हो
सद्भावना, शांति रखें दिलों में, जातिए धर्म का न बंटवारा हो
देखूं जब-जब लहराता तिरंगा, गुमान देश पर होता है
लिया जन्म जहां शूरवीरों ने, सिर नतमस्तक हो जाता है

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई।

विपिन सिंह
सराय सहजादी, बंथरा, लखनऊ

भाईचारा रखें परस्पर, अमन चैन का नारा हो
सद्भावना, शांति रखें दिलों में, जातिए धर्म का न बंटवारा हो
देखूं जब-जब लहराता तिरंगा, गुमान देश पर होता है
लिया जन्म जहां शूरवीरों ने, सिर नतमस्तक हो जाता है

आज़ादी का अमृत महोत्सव

आप सभी को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई।

महेंद्र सिंह चौहान
प्रतिनिधि
क्षेत्र पंचायत सदस्य, पहाड़पुर

उत्थान सेवा संस्थान के द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली

अमेठी (करण वाणी, न्यूज)। तहसील तिलोई के ब्लॉक तिलोई व ब्लॉक सिंहपुर के उत्थान सेवा संस्थान संस्थान के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तिलोई बबलू मिश्रा,व सिंहपुर ब्लॉक के सुनील पासी वाह अमेठी से सुधांशु शर्मा,अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में उत्थान सेवा संस्थान के कार्यकताओं ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के मद्देनजर रैली निकालकर लोगों को तिरंगे का सम्मान वह हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया इस कार्यक्रम के दौरान कुलदीप मिश्रा जयकरण द्विवेदी अरुण गुप्ता ओमप्रकाश पासी व रामशंकर लोधी आदि कार्यकताओं ने रैली निकालकर कार्यक्रम को सफल बनायाउत्थान सेवा संस्थान के द्वारा निकाली गई तिरंगा रैली** अमेठी**तहसील तिलोई के ब्लॉक तिलोई व ब्लॉक सिंहपुर के उत्थान सेवा संस्थान संस्थान के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तिलोई बबलू मिश्रा,व सिंहपुर ब्लॉक के सुनील पासी वाह अमेठी से सुधांशु शर्मा,अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में उत्थान सेवा संस्थान के कार्यकताओं ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के मद्देनजर रैली निकालकर लोगों को तिरंगे का सम्मान वह हर घर तिरंगा लगाने का आह्वान किया इस कार्यक्रम के दौरान कुलदीप मिश्रा जयकरण द्विवेदी अरुण गुप्ता ओमप्रकाश पासी व रामशंकर लोधी आदि कार्यकताओं ने रैली निकालकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

वैश्य समाज सक्षम समाज है, बेटियों और महिलाओं के उत्थान में सक्रिय सहयोग दे: आनंदीबेन पटेल

▶▶ आत्मनिर्भरता के लिए प्रयासरत महिलाओं को अपने अभियानों से जोड़े

▶▶ विश्वविद्यालय छात्रों को भी लघु उद्योगों के प्रशिक्षण से जोड़े

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष से जनपद आगरा में माथुर वैश्य महासभा द्वारा आयोजित स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों के सम्मान समारोह को सम्बोधित किया। समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का सम्मान किया जाना एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कल हम अपनी आजादी के 75 वर्षों का समारोह मनाएंगे। भारत की आजादी स्वतंत्रता सेनानियों के कडे.संघर्षों और बलिदानों का प्रतिफल है। यह हमारा दायित्व है कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से प्रेरणा लें, उनके आदर्शों को आत्मसात करें।

इसी क्रम में राज्यपाल ने वैश्य समाज के योगदानों की सराहना करते हुए कहा कि वैश्य समाज एक सक्षम समाज है। इस समाज को आगे आकर बेटियों और महिलाओं के उत्थान में सक्रिय योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा समाज में अभी भी दहेज प्रथा और बाल-विवाह की कुरीतियां व्याप्त हैं। वैश्य समाज को सामाजिक रूढ़ियों से उत्पीड़ित महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा वैश्य सबल और सम्पन्न समाज वर्ग है, इसलिए समाज की वे महिलाएं जो आर्थिक विपन्नता के कारण अपने परिवार को सम्बल देने के लिए स्वयं आत्मनिर्भर होने का प्रयास कर रही हैं, उन्हें सहायता प्रदान करें और अपने विभिन्न अभियानों से जोड़कर उन्हे सक्षम बनाएं।

कार्यक्रम में लघु उद्योगों से जुड़े व्यवसायियों की चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालयों से भी सहयोग ले सकते हैं। वे अपनी उद्योग-जनित आवश्यकताओं पर कुलपतियों से चर्चा करके आवश्यक तकनीकी सहायता के कार्य करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुलपतियों को यह निर्देश है कि वे अपने छात्रों को लघु उद्योगों के प्रशिक्षण कार्यों

से जोड़ें, लघु व्यवसायियों की आवश्यकता अनुसार प्रोजेक्ट कार्य करवाएं। राज्यपाल जी ने समारोह में वैश्य समाज को बेटियों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगवाने के लिए अधिक से अधिक सहयोग देने हेतु भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा महिलाएं स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगी तो यह समाज भी प्रसन्न रहेगा।

समारोह में राज्यपाल जी ने रक्षा बंधन की बधाई भी दी, साथ ही उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को 15 अगस्त के शुभ अवसर पर स्वतंत्रता दिवस की विशेष रूप से बधाई दी। इस अवसर पर राज्यपाल जी ने माथुर वैश्य समाज के 38 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से संबंधित ह्लस्वतंत्रता सेनानी संक्षिप्त परिचय पुस्तिकाह्व का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को स्मृति चिह्न, सम्मान पत्र व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने देश के लिए बलिदान होने वालों शहीदों का अपने सम्बोधन में विशेष रूप से स्मरण किया। इसी क्रम में उन्होंने प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा उत्तर प्रदेश में बेटियों, महिलाओं, बच्चों, आंगनवाड़ी मे बाल शिक्षा, प्रदेश में उच्च शिक्षा के स्तर में विकास जैसे मुद्दों पर विशेष कार्यों का उल्लेख करते हुए, इन्हे अभूतपूर्व बताया। समारोह में माथुर वैश्य समाज, आगरा के अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने महिलाओं के निरंतर उत्थान में वैश्य समाज के योगदान से राज्याल जी को अवगत कराया।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री अंजनी कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट (पंचम) सुमित कुमार, श्री अशोक कुमार गुप्ता, श्री हरिमोहन सिंह कोठिया, श्री दिनेश गुप्ता, श्रीमती दीपिका, श्री सुनील गुप्ता तथा स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के परिजन व शहर के बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आमिर खान का समर्थन करना ऋतिक को पड़ा भारी

आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' फैंस के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रिलीज हो चुकी है। हालांकि फिल्म को विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है। इस विरोध का असर एक्टर के फिल्म के कलेक्शन पर भी नजरं आ रहा है। इस बीच कई फिल्मी सितारों ने आमिर की इस फिल्म का समर्थन भी किया है। इस लिस्ट में अब सुपरस्टार ऋतिक रोशन का नाम भी जुड़ गया है। हाल ही में उन्होंने आमिर खान की यह फिल्म देखी और इसकी जमकर तारीफ की, लेकिन उनकी यह बात नेटिजन्स को पसंद नहीं आई और एक्टर को जमकर ट्रोल किया जाने लगा।

ऋतिक ने बांधे तारीफों के पुल

फिल्म का समर्थन करते हुए ऋतिक ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'अभी-अभी लाल सिंह चड्ढा देखी। मैंने इस फिल्म के दिल को महसूस किया। प्लस और माइनस एक तरफ, यह एक शानदार फिल्म है। इस रत्न को मत मिस करो दोस्तों! जाओ ! अभी जाओ । इसे देखो। यह खूबसूरत है। बहुत खूबसूरत।'

लोगों ने किया जमकर ट्रोल

ऋतिक के इस पोस्ट के बाद वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गए। इसी के साथ ट्विटर पर विक्रम वेधा को बायकॉट करने की बात भी शुरू हो गई और देखते ही देखते हैं बायकॉट विक्रम वेधा सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। एक यूजर ने लिखा, 'जब यूट्यूब पर मूल क्लासिक फिल्म को मुफ्त में देख सकते हैं, तो बॉलीवुड के बेकार रीमेक पर पैसा बर्बाद क्यों करें?' एक अन्य ने लिखा, 'आपको ऐसा नहीं करना चाहिए था अपनी फिल्म पर फोकस करने के बजाय आप दूसरों को सपोर्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। अब परिणाम भुगतने के लिए तैयार हो जाइए। अगला नंबर विक्रम वेधा का होगा।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'चिंता मत करो डुग्गू अंकल जब पूरी इंडस्ट्री बहिष्कार की गर्मी का सामना कर रही है, तो आप और सैफ इससे कैसे बच सकते हैं? बहिष्कार का सामना करने के लिए तैयार रहें।'

गौरतलब है कि ऋतिक रोशन भी आमिर खान की तरह ही लंबे समय से बड़े पर्दे से दूर हैं। वह जल्द ही फिल्म विक्रम वेधा से सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने जा रहे हैं। यह साउथ में बनी इसी नाम की फिल्म का हिंदी रीमेक है। फिल्म को पुष्कर और गायत्री कर रहे हैं। मूल फिल्म को भी दोनों ने ही निर्देशित किया था।

शादी थी दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के बीच ब्रेकअप की वजह!

डिजिटल डेस्क, मुंबई। बी-टाउन में टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी का ब्रेकअप काफी सुर्खियां बटौर रहा है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, अपने 6 साल के लंबे रिलेशन के बाद दोनों ने अलग होने का फैसला कर लिया है। जब से इन यंग सुपरस्टार्स के ब्रेकअप की खबरें सामने आई हैं तब से ही फैंस इन दोनों के अलगाव की वजह जानना चाहते हैं। अब खबर आ रही है कि इन दोनों के ब्रेक का असली कारण शादी थी।

दिशा चाहती थीं शादी के बंधन में बंधना

ईटाइम्स की खबर के मुताबिक, टाइगर और दिशा के एक दोस्त ने इनके बीच ब्रेकअप की वजह बताई है। दोस्त ने बताया कि, जब से टाइगर ने अपने पैरेंटस पिता जैकी और मां आयशा से अलग रहना शुरू कर दिया था तब से ही वो दिशा के साथ लिव-इन में रह रहे थे। दोनों काफी लंबे समय तक एक दूसरे के साथ इसी रिश्ते में रहे। दिशा चाहती थीं कि वो टाइगर के साथ शादी करलें।

टाइगर नहीं थे राजी

दोस्त के मुताबिक टाइगर शादी के लिए अभी तैयार नहीं थे। ईटाइम्स की खबर के अनुसार, टाइगर के दोस्त ने बताया कि जब दिशा ने शादी वाली बात टाइगर से की तो उन्होंने उस बात को टाल दिया। इसके बाद दिशा ने टाइगर से शादी की बात एक दो बार की लेकिन उन्होंने हर बार उनकी बात का उत्तर 'नहीं, अभी नहीं' बोलकर दिया। दिशा शादी करना चाहती थीं, लेकिन टाइगर इसके लिए अभी तैयार नहीं था।

दिशा ब्रेकअप को कैसे डील कर रही हैं? जब यह सवाल एक्स लवर्स के दोस्त से पूछा गया तो उसने बताया कि, दिशा ने इस पूरे प्रकरण को बड़े पॉजिटिवली लिया है। वह टाइगर से खफा नहीं हैं।

बता दें कि हाल ही में टाइगर के पिता जैकी श्रॉफ ने अपने बेटे और दिशा के लव रिलेशन के बारे में खुलासा करते हुए कहा था कि वह दोनों एक दूसरे के साथ टाइम स्पेंड करना पसंद करते हैं। जैकी ने मीडिया को दिए अपने इंटरव्यू में कहा था कि "टाइगर और दिशा हमेशा से दोस्त थे और अब भी हैं। मैं अब भी उन्हें साथ में बाहर जाते देखता हूं। ऐसा नहीं है कि मैं अपने बेटे की लव लाइफ पर नजर रखता हूं। मैं उनकी प्राइवेसी में दखल नहीं देना चाहता। लेकिन मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छे दोस्त हैं। वह काम के अलावा भी एक-दूसरे साथ समय बिताना पसंद करते हैं।"

करें तरबूज की खेती, कम समय में मिलेगा लाखों का मुनाफा!

बुवाई की विधि

- इसकी बुवाई में किस्म और भूमि उर्वरा शक्ति पर निर्भर करती है।
- तरबूज की बुवाई मेड़ों पर लगभग 2.5 से 3.0 मीटर की दूरी पर 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ी नाली बनाकर करते हैं।
- इसके बाद नालियों के दोनों किनारों पर लगभग 60 सेंटीमीटर की दूरी पर 2 से 3 बीज बोये जाते हैं।
- नदियों के किनारे गड्ढे बनाकर उसमें मिट्टी, गोबर की खाद और बालू का मिश्रण थालें में भर दें. अब थालें में दो बीज लगाएं।
- ध्यान दें कि अंकुरण के लगभग 10-15 दिन बाद एक जगह पर 1 से 2 स्वस्थ पौधों को छोड़ दें और बाकि को निकाल दें।

तरबूज की खेती की खास बात ये है कि इसमें अन्य फलों के फसलों के मुकाबले कम समय, कम खाद और कम पानी की आवश्यकता पड़ती है. विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तरबूज की खेती उन्नत किस्मों और तकनीक से की जाए, तो इसकी फसल से लाखों का मुनाफा कमाया जा सकता है।

भारत में पिछले कुछ समय में किसान भाई काफी हद तक जागरूक हुए हैं. वे अब धान और गेहूं के अलावा अन्य फसलों की खेती पर भी ध्यान केंद्रित करने लगे हैं. देखा गया है कि पिछले कुछ सालों में किसानों के बीच तरबूज की खेती का भी चलन बढ़ा रहा है. इसकी खेती मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में की जाती है.

तरबूज की खेती की खास बात ये है कि इसमें अन्य फलों के फसलों के मुकाबले कम समय, कम खाद और कम पानी की आवश्यकता पड़ती है. विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तरबूज की खेती उन्नत किस्मों और तकनीक से की जाए, तो इसकी फसल से लाखों का मुनाफा कमाया जा सकता है. गर्मियों में बाजार तरबूज से भरा रहता है. ऐसे में उस दौरान किसान तरबूज की फसल पर बढ़िया मुनाफा कमा लेते हैं.

उपयुक्त जलवायु और मिट्टी

इसकी खेती के लिए गर्म और औसत आर्द्रता वाले क्षेत्र सबसे उपयुक्त होते है. लगभग 25 से 32 डिग्री सेल्सियस तापमान में इसका विकास अच्छे से होता है. वहीं, रेतीली और रेतीली दोमट भूमि इसकी खेती के लिए सबसे बेहतर मानी जाती है. विशेषज्ञों के अनुसार खेती गंगा, यमुना और नदियों के खाली स्थानों में क्यारियां बनाकर करना सबसे फायदेमंद है.

खेत की तैयारी

खेती की पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए. ध्यान देने की बात है कि खेतों में पानी की मात्रा कम या ज्यादा नहीं होनी चाहिए. इसके बाद नदियों के खाली स्थानों में क्यारियां बना लें. अब मिट्टी में गोबर की खाद को अच्छी तरह मिला दें. अगर रेत की मात्रा अधिक है, तो ऊपरी सतह को हटाकर नीचे की मिट?टी में खाद मिलाना चाहिए.

बुवाई का समय

उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में तरबूज की बुवाई फरवरी में की जाती है. इसके अलावा नदियों के किनारों पर बुवाई नवम्बर से मार्च तक करनी चाहिए. वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में मार्च से अप्रैल तक बुवाई करने की सलाह दी जाती है।

स्ट्रॉबेरी की खेती में प्रति एकड़ लाखों का मुनाफा

लखनऊ (करण वाणी न्यूज)। स्ट्रॉबेरी एक बहुत ही नाजुक फल होता है, जो की स्वाद में हल्का खट्ठा और हल्का मीठा होता है, दिखने में दिल के आकर का होता है, और इसका रंग चटक लाल होता है, ये मात्र एक ऐसा फल है. जिसके बीज बाहर की और होते है. आपको जानकर आश्चर्य होगा की स्ट्रॉबेरी की 600 किस्में इस संसार में मौजूद है. ये सभी अपने स्वाद रंग रूप में एक दूसरे से भिन्न होती है, स्ट्रॉबेरी में अपनी एक अलग ही खुशबू के लिए पहचानी जाती है. जिसका फ्लेवर कई सारी आइसक्रीम आदि में किया जाता है, स्ट्रॉबेरी में कई सारे विटामिन और लवण होते है जो स्वास्थ के लिए काफी लाभदायक होते है, इसमें काफी मात्रा में विटामिन उ एवं विटामिन अ और ङ पाया जाता है, जो रूप निखारने और चेहरे में कील मुँहासे, आँखो की रौशनी चमक के साथ दाँतों की चमक बढ़ाने का काम आते है इनके आलवा इसमें केल्सियम मैग्नीशियम फोलिक एसिड फास्फोरस पोटेशियम होता है।

स्ट्रॉबेरी की प्रमुख किस्में

भारत में स्ट्रॉबेरी की अधिकतर किस्में बाहर से मगवाई हुई है. व्यावसायिक रूप से खेती करने के लिए प्रमुख किस्में निम्नलिखित हैः ओफ्रा, कमारोसा, चांडलर, स्वीट चार्ली, ब्लेक मोर, एलिस्ता, सिसकेफ, फेयर फाक्स आदि किस्में है, भारत में स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए मिट्टी और जलवायुः वैसे तो इसकी खेती के लिए कोई मिट्टी तय नही है फिर भी अच्छी उपज लेने के लिए बलुई दोमट मिट्टी को उपयुक्त माना जाता है. इसकी खेती के लिए स्वँ 5.0 से 6.5 तक मान वाली मिट्टी भी उपयुक्त होती है. यह फसल शीतोष्ण जलवायु वाली फसल है जिसके लिए 20 से 30 डिग्री तापमान उपयुक्त रहता है, तापमान बढ़ने पर पौधों में नुकसान होता है और उपज प्रभावित हो जाती है।

कैसे करें स्ट्रॉबेरी के खेत की तैयारी

सितम्बर के प्रथम सप्ताह में खेत की 3 बार अच्छी जुताई कर ले फिर उसमे एक हेक्टेयर जमीन में 75 टन अच्छी सड़ी हुई खाद् अच्छे से बिखेर कर मिटटी में मिला दे. साथ में पोटाश और फास्फोरस भी मिट्टी परीक्षण के आधार पर खेत तैयार करते समय मिला दे।

बेड तैयार करना

खेत में आवश्यक खाद् उर्वरक देने के बाद बेड बनाने के लिए बेड की चौड़ाई 2 फिट रखे और बेड से बेड की दूरी डेढ़ फिट रखे. बेड तैयार होने के बाद उस पर ड्रेप एरिगेशन की पाइपलाइन बिछा दे. पौधे लगाने के लिए प्लास्टिक मल्चिंग में 20 से 30 सेमी की दूरी पर छेद करे, स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाने का सही समय 10 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक लगा देना आवश्यक है, यदि तापमान ज्यादा हो तो पौधे सितम्बर लास्ट तक लगा ले.

खाद व उर्वरक

स्ट्रॉबेरी का पौधा काफी नाजुक होता है, इसलिए उसे समय समय खाद् और उर्वरक देना जरुरी होता है. जो की आपके खेत के मिट्टी परीक्षण रिपोर्ट को देखकर दे. मल्चिंग होने के बाद तरल खाद् टपक सिंचाई के जरिये दे. जिसमे नाइट्रोजन फास्फोरस को कृषि वैज्ञानिकों की सलाह ले कर समय समय पर देते रहें।

सिंचाई

पौधे लगाने के बाद तुरंत सिंचाई की जाना चाहिए, समय समय पर नमी को ध्यान में रखकर सिंचाई करना चाहिए, स्ट्रॉबेरी में फल आने से पहले सूक्ष्म फव्वारे से सिंचाई कर सकते है फल आने के बाद टपक विधि से ही सिंचाई करे।

स्ट्रॉबेरी में लगने वाले कीट और रोग

कीटों में पतंगे, मक्खियाँ चेफर, स्ट्राबेरी जड़ विविल्स झरबेरी एक प्रकार का कीड़ा, रस भृग, स्ट्रॉबेरी मुकट कीट कण जैसे कीट इसको नुकसान पंहुचा सकते है, इसके लिए नीम की खल पौधों की जड़ों में डाले इसके अलावा पत्तों पर पत्ती स्पाट, खस्ता फफूंदी, पत्ता ब्लाइट से प्रभावित हो सकती है, इसके लिए समय समय पर पोधों के रोगों की पहचान कर विज्ञानिकों की सलाह में कीटनाशक दवाइयों का स्प्रे करे।

लो टनल का उपयोग

पाली हाउस नही होने की अवस्था में किसान भाई स्ट्रॉबेरी को पाले से बचाने के लिए प्लास्टिक लो टनल का उपयोग करे जिसमे पारदर्शी प्लास्टिक चादर, जो 100-200 माइक्रोन की हो उसका उपयोग करना चाहिए।

शासन की तरफ से अनुदान

अलग अलग राज्यों में उद्यानिकी और कृषि विभाग की तरफ से अनुदान भी है. जिसमे प्लास्टिक मल्चिंग और ड्रिप इरीगेशन फुवारा सिंचाई आदि यंत्र पर 40 से 50% तक अनुदान भी मिल जाता है।

स्ट्रॉबेरी की तुड़वाई

जब फल का रंग सतर प्रतिशत असली हो जाये तो तोड़ लेना चाहिए. अगर मार्किट दूरी पर है ३ङ्क थोड़ा सख्त ही तोडना चाहिए, तुड़वाई अलग अलग दिनों मैं करनी चाहिए. स्ट्रॉ बेरी के फल को नहीं पकड़ना चाहिए. ऊपर से दण्डी पकड़ना चाहिए, औसत फल सात से बारह टन प्रति हेक्टयेर निकलता है।

स्ट्रॉबेरी की पैकिंग

स्ट्रॉबेरी की पैकिंग प्लास्टिक की प्लेटों में करनी चाहिए, इसको हवादार जगह पर रखना चाहिए. जहां तापमान पांच डिग्री हो. एक दिन के बाद तापमान जीरो डिग्री होना चाहिए।

रंजीत चौधरी की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा

करण वाणी, न्यूज

अलीगढ़। आज दिनांक 14 अगस्त को समाजवादी युवजन सभा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष रंजीत चौधरी की अगुवाई में हजारों युवाओं ने बाइकों पर सवार होकर हाथों में तिरंगे झंडे लेकर नर्चर स्कूल रामघाट रोड से क्वार्सी चौराहा, किशनपुर तिराहे, सेंटर प्वाइंट चौराहा होते हुए घंटाघर तक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली।

घंटाघर स्थित सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर समाजवादी युवजन सभा नि. राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद फहाद, महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोषी, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक यादव, पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इस्हाक, महानगर महासचिव मनोज यादव, पूर्व जिला कोषाध्यक्ष राजेश यादव, पूर्व जिला महासचिव मुकेश माहेश्वरी, कुंवर बहादुर बघेल ने सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर युवाओं का उत्साहवर्धन कर तिरंगा यात्रा का समापन किया। शहर वासियों ने और समाजवादियों ने जगह-जगह यात्रा में युवाओं का स्वागत कर हौसला अफजाई की। तिरंगा यात्रा में शहर और देहात दोनों ही क्षेत्र से युवाओं का हुजूम उमड़ा। पूरी यात्रा में डीजे पर देशभक्ति गानों पर युवा थिरकते हुए भारत माता की जय और वंदेमातरम के नारे लगाते रहे। क्वार्सी चौराहा से लेकर किशनपुर चौराहे तक पूरे रामघाट रोड पर बाइक और तिरंगा ही नजर आ रहे थे।

तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से भारतीय किसान यूनियन "सुनील" के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील चौधरी, यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष संजय शर्मा, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अर्जुन ठाकुर, युवा जिलाध्यक्ष अमित चौधरी रवि सैनी अर्जुन सिंह भोलू इसरार सोलंकी पप्पू प्रधान बबलू होलकर कपिल दीवान

नरेंद्र सूर्यवंशी मुंतजिम किदवई राहुल यादव महेश बघेल जीतू सैनी आदेश चौधरी, अमन चौधरी आशीष चौधरी बबलू चौधरी चिंटू चौधरी सुबोध चौधरी रोबिन मुकेश वशिष्ठ सचिन तोमर धर्मेंद्र सत्यप्रकाश शीबू रिंकू गौतम देबू पंडित महेंद्र सुशील अनिल लोधी अजीत लकी आजाद निखिल दीपक विक्की चौधरी छत्रपाल बाल्मीकि सचिन लवानिया पिंटू नीरज गोलू यतेंद्रराज सिंह मुन्ना मलिक वीर यादव अजब सिंह यश चौधरी आदि हजारों लोग मौजूद रहे।।

झंडा ऊंचा रहे हमारा..

हजारों समर्थकों के काफिले के साथ रामचंद्र प्रधान ने निकाली 75 कि.मी. तिरंगा यात्रा

▶▶उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने 1090 चौराहे से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना।

▶▶उन्नाव और लखनऊ से हजारों की तादात में कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान व बीडीसी हुए शामिल।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देशभर में घर-घर तिरंगा, हर घर तिरंगा यात्रा अभियान के तहत जिले भर में तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जा रहा है, इसी क्रम में भाजपा लखनऊ/उन्नाव एमएलसी रामचंद्र प्रधान ने आजादी की 75वी वर्षगांठ पर 75 किलोमीटर की तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, इस मौके पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर 1090 चौराहे से उन्नाव के लिए रवाना किया।

लखनऊ से उन्नाव तक जगह जगह जनप्रतिनिधियों ने सैकड़ों समर्थकों के साथ आन बान की शान तिरंगा को हाथों में थामे देशभक्ति के नारे लगाते हुए नजर आए, लखनऊ से उन्नाव तक निकली तिरंगा यात्रा में जगह-जगह पुष्प वर्षा की जा रही थी। एमएससी रामचंद्र प्रधान ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव की कड़ी में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है, इसी के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया, रामचंद्र प्रधान ने आमजन से अपील की है कि सभी अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं।

देशप्रेम की भावना करें जागृत

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झण्डा ऊंचा रहे हमारा नारों के साथ उपस्थित हजारों की तादाद में प्रधान बीडीसी कार्यकर्ता व आम नागरिकों में देश भक्ति भावना के प्रति जोश भरते हुए रामचंद्र प्रधान ने कहा कि इस नारे को हमेशा याद रखना है, आगामी 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम का भव्य आयोजन करें, इसी भावना के साथ आप लोग अपने-अपने घरों में जाकर अपने परिवार के लोगों को भी स्वाधीनता दिवस की 75वीं वर्ष गांठ के अवसर पर झण्डा रोहण करते हुए राष्ट्र के प्रति देश भक्ति की भावना को जागृत करेंगे। अपने देश की आन, बान और शान को कायम रखते हुए इस तिरंगे को कभी भी झुकने नहीं देंगे, हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली जयकारों के साथ लखनऊ/कानपुर राज्य मार्ग पूरी तरह तिरंगामयी दिखाई दी, रैली में में लोग उत्साह से नृत्य करते हुए और देशभक्तिपूर्ण नारे लगाते हुए हाथ में तिरंगा लेकर चल रहे थे।

इस अवसर पर राज्य मंत्री रजनी तिवारी, विधायक बंबा लाल दिवाकर, उन्नाव जिला अध्यक्ष श्रीकांत कटिहार, अखिलेश सिंह (अनुज) अनुराग शर्मा व महेंद्र सिंह चौहान सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में एमबीए के छात्रों व शिक्षकों ने निकाली तिरंगा यात्रा

आजादी के अमृत महोत्सव के स्वर्णिम अवसर पर तिरंगा यात्रा निकालकर कर हर घर तिरंगा अभियान को प्रोत्शाहन दिया।

करण वाणी, न्यूज

अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवम उद्यमिता विभाग के छात्रों ने आजादी के अमृत महोत्सव के स्वर्णिम अवसर पर विभागाध्यक्ष के सानिध्य में सभी शिक्षकों व छात्रों ने मिलकर निकाली तिरंगा यात्रा।

इस तिरंगा यात्रा को व्यवसाय प्रबंधन विभाग से चौक और फिर वहां से विश्वविद्यालय मुख्य परिसर तक जारी रखा गया। साथ ही विभागाध्यक्ष ने आजादी के अमृत मूलो और देश के प्रति हमारे कर्तव्यों के बारे में बताया।

वही प्रोफेसर शैलेंद्र वर्मा ने बताया कि असल जीवन में अभी भी हम आजाद तो हो गए है परंतु हमारे हालात अभी भी वैसे के वैसे ही है। हमे अभी

और मेहनत की जरूरत है और विकास की जरूरत है जब हम विकसित हो जायेंगे तो वास्तव में आजाद हो जायेंगे।

कृषि व्यवसाय प्रबंधन में परस्नातक कर रहे छात्र प्रभाकर सिंह रणवीर ने कहा कि हमे हमारी आजादी तो मिल गई पर आजादी पाने के लिए हमने क्या कुर्बान किया हमे यह याद रखना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम कुर्बानियो को भूल जायेंगे तो हमे इस आजादी की कीमत का अंदाजा नहीं होगा आज इस स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर हमे प्रण लेना होगा की हम अपने देश के गौरव के प्रति सदैव सजग रहेंगे।

वही प्रसून जी ने कहा कि आज इस आजादी अमृत महोत्सव के स्वर्णिम अवसर पर हमे एक जुट होकर देश के विकास की ओर अग्रसर होने का संकल्प लेना होगा। अवध विश्वविद्यालय में एमबीए के छात्रों ने आजादी का अमृत महोत्सव के स्वर्णिम अवसर पर तिरंगा यात्रा निकालकर कर हर घर तिरंगा अभियान को प्रोत्शाहन दिया।

शेयर मार्केट के 'बिग बुल' का मुंबई में निधन

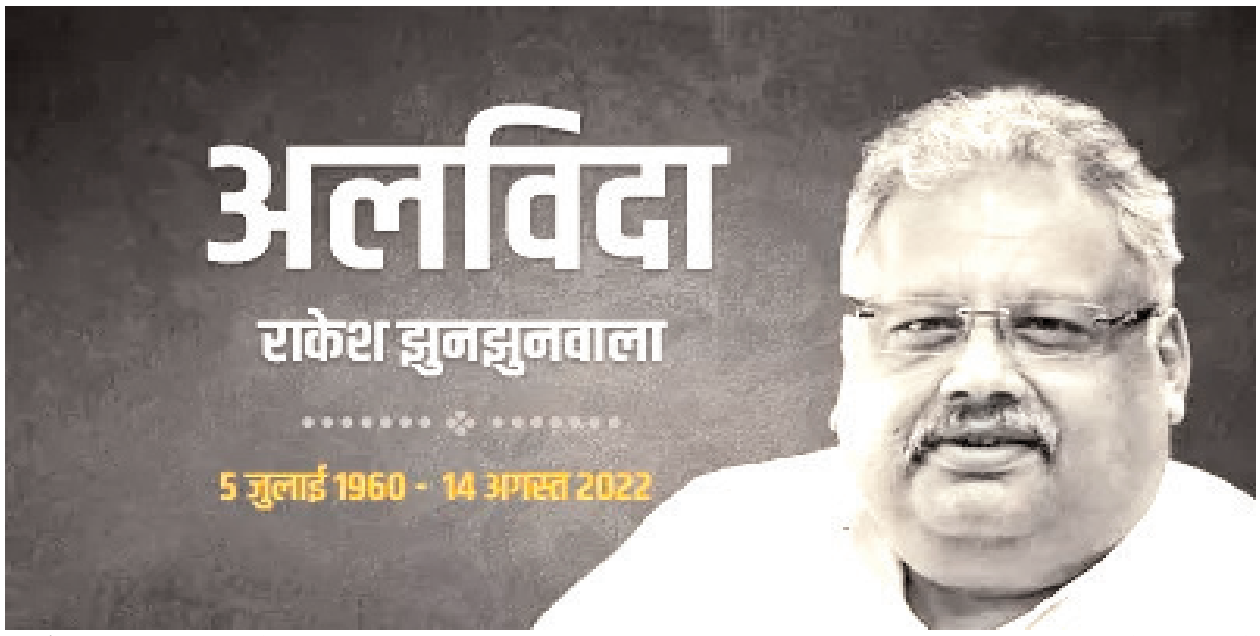

दिग्गज निवेशक और अकासा एयर के संस्थापक राकेश झुनझुनवाला का अंतिम संस्कार आज शाम 5.30 बजे मुंबई के बाणगंगा श्मशान घाट में किया जाएगा।

बता दें कि आज सुबह दिग्गज शेयर निवेशक और अरबपति व्यवसायी राकेश झुनझुनवाला का निधन हुआ था। झुनझुनवाला ने 62 साल की उम्र में ली अंतिम सांस ली थी।

ब्रीच कैंडी अस्पताल, डॉ प्रतीत समदानी ने बताया कि राकेश झुनझुनवाला को अचानक कार्डियक अरेस्ट हुआ जो उनकी मौत का कारण बना। वह क्रोनिक किडनी रोग से भी पीड़ित थे, क्रोनिक डायलिसिस पर थे और अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे थे। वह मधुमेह के रोगी थे और हाल ही में उनकी एंजियोप्लास्टी भी हुई थी।

मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल ने उनके निधन की पुष्टि की थी। झुनझुनवाला को 2-3 सप्ताह पहले ही अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया था और वह घर आ गए थे। उनके निधन की खबर से सब अचंभित हैं। उनके निधन की खबर ऐसे समय आई है जब हाल में उन्होंने अपनी एयरलाइन शुरू की है। इसका नाम आकासा एयर है।

उनके निधन की खबर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट कर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, राकेश झुनझुनवाला अदम्य थे। जीवन से भरपूर, मजाकिया और व्यावहारिक, वह अपने पीछे वित्तीय दुनिया में एक अमिट योगदान छोड़ गए हैं। वह भारत की प्रगति के प्रति भी बहुत भावुक थे। उनका जाना दुखद है। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ऊं शांति।

ऐस शेयर बाजार निवेशक राकेश झुनझुनवाला, जिन्हें अक्सर भारत के अपने वॉरेन बफे के रूप में जाना जाता है, का 62 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, वह पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं चल रहे थे और आज मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। 1985 में सिडेनहम कॉलेज से स्नातक होने के बाद, उन्होंने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में दाखिला लिया और रेखा झुनजुनवाला से शादी की, जो एक शेयर बाजार निवेशक भी हैं।

झुनझुनवाला रेयर एंटरप्राइजेज नामक एक निजी स्वामित्व वाली स्टॉक ट्रेडिंग फर्म चलाते थे। वह भारत की नवीनतम एयरलाइन अकासा एयर के मालिक भी थे, जिसने इस महीने की शुरुआत में भारतीय आसमान में उड़ान भरी थीए बहुत से लोगों ने सवाल किया कि जब विमानन अच्छा नहीं कर रहा था, तो उन्होंने एक एयरलाइन शुरू करने की योजना क्यों बनाई, जिस पर उन्होंने जवाब दिया, "मैं कहता हूं कि मैं विफलता के लिए तैयार हूं।"

वह हमेशा भारत के शेयर बाजार के बारे में उत्साहित थे और उन्होंने जो भी स्टॉक खरीदा वह ज्यादातर मल्टीबैगर में बदल गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800